

# **When Shall the Hunger End?**

**They still come to me**

**With their empty stomach,**

**And dejected gaze filled with**

**Unseen tears :**

**My sisters are still forced to unpleasant business ;**

**Forced by the burning hunger.**

**And I still live in the dreams of a full meal day.**

**So those gatherings make me ask,**

**When shall the hunger end?**

**All I get are fake promises,**

**Heavy words**

**They shower over my restless heart.**

**And those empty, distraught eyes**

**Keep me asking,**

**"How long shall we starve?"**

অনাহার কবে শেষ হবে?

আজও দুখার্ভেরা আসে ঘরে

তাদের বিষণ্ণ চাহনিত্তে কান্না

আজও পেটের তাড়নায়

আদিম ব্যবসায় নামে আমার ঘরের বোনেরা

স্বপ্নে আজও বাড়া ভাতের থালায় আমার দিন কাটে

জমায়েত দেখলেই তই প্রশ্ন করি

অনাহার কবে শেষ হবে?

আজও প্রতিশ্রুতি শুনি আমি

রাশি রাশি গালভরা বুলি

আজও প্রলুদ্ধ করে আমায়

আজও শতকোটি ব্যাকুল চোখের

ভাষা যেন আমায় প্রশ্ন করে

অনাহার কবে শেষ হবে?

# अनाहार कब मिटेगा ?

आज भी भूखे लौटते हैं घर में,

उनकी बेबसभरी आँखों में आंसू झलकते हैं।

आज भी भूख से पीड़ित,

देह व्यवसाय में उतरती हैं मेरे घर की बहने ,

सपने में आज भी परोसे हुए भोजन की थाली देखते हुए दिन बीतते हैं।

जमाव देखते ही पूछता हूँ

अनाहार कब मिटेगा ?

आज भी सिर्फ़ झूठे वायदे सुनता हूँ,

बड़ी बड़ी बातें

आज भी बहकाती हैं हमे ,

आज भी करोड़ों बेचैन आखों की भाषा मानो पूछती हैं मुझे ,

अनाहार कब मिटेगा ?